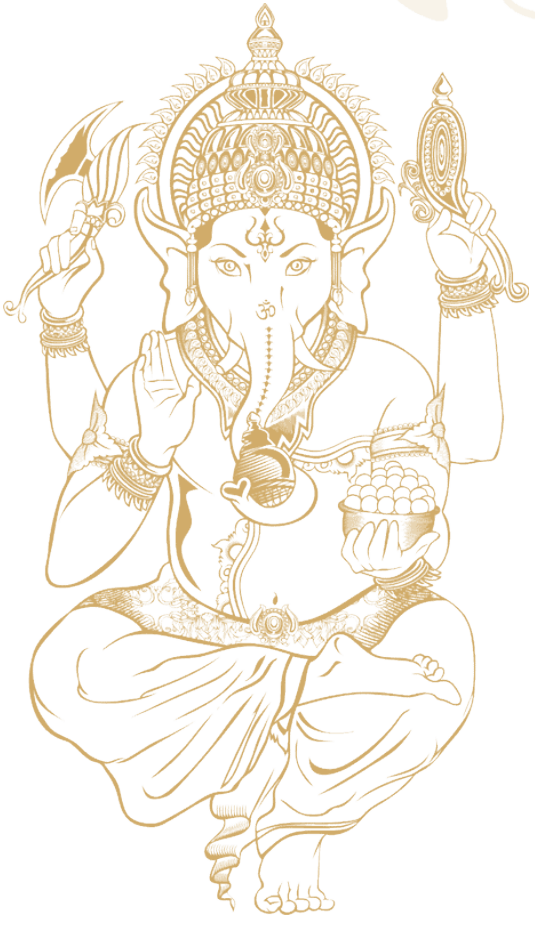

Mr. Durgesh

Ms. Vaisnavi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119226107

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
30/08/1996	जन्म तिथि	6-07/12/1996
शुक्रवार	दिन	शुक्र-शनिवार
घंटे 12:25:00	जन्म समय	06:32:00 घंटे
घटी 15:16:10	जन्म समय(घटी)	58:58:18 घटी
India	देश	India
Nasik	स्थान	Ichallkaranji
20:00:00 उत्तर	अक्षांश	16:40:00 उत्तर
73:52:00 पूर्व	रेखांश	74:33:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:34:32	स्थानिक संस्कार	-00:31:48 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:18:32	सूर्योदय	06:47:51
18:52:06	सूर्यास्त	17:58:07
23:48:41	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:52

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शनि 16वर्ष 11मा 11दि	06:57:37	वृश्चि	लग्न	वृश्चि	16:56:28	मंगल 0वर्ष 11मा 28दि
बुध	13:22:02	सिंह	सूर्य	वृश्चि	21:23:20	गुरु
11/08/2013	04:46:24	मीन	चंद्र	तुला	04:46:20	06/12/2015
12/08/2030	29:30:43	मिथु	मंगल	सिंह	25:27:35	06/12/2031
बुध 08/01/2016	08:32:57	कन्या	बुध	धनु	09:41:32	गुरु 23/01/2018
केतु 04/01/2017	14:02:17	धनु व	गुरु	धनु	25:47:06	शनि 05/08/2020
शुक्र 05/11/2019	27:54:28	मिथु	शुक्र	तुला	23:29:53	बुध 11/11/2022
सूर्य 11/09/2020	12:09:34	मीन व	शनि	मीन	06:48:21	केतु 18/10/2023
चन्द्र 10/02/2022	14:25:17	कन्या व	राहु व	कन्या	11:42:42	शुक्र 18/06/2026
मंगल 07/02/2023	14:25:17	मीन व	केतु व	मीन	11:42:42	सूर्य 06/04/2027
राहु 27/08/2025	07:28:43	मक व	हर्ष	मक	08:11:48	चन्द्र 05/08/2028
गुरु 02/12/2027	01:31:39	मक व	नेप	मक	02:09:53	मंगल 12/07/2029
शनि 12/08/2030	06:37:54	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	09:39:18	राहु 06/12/2031

लग्न-चलित

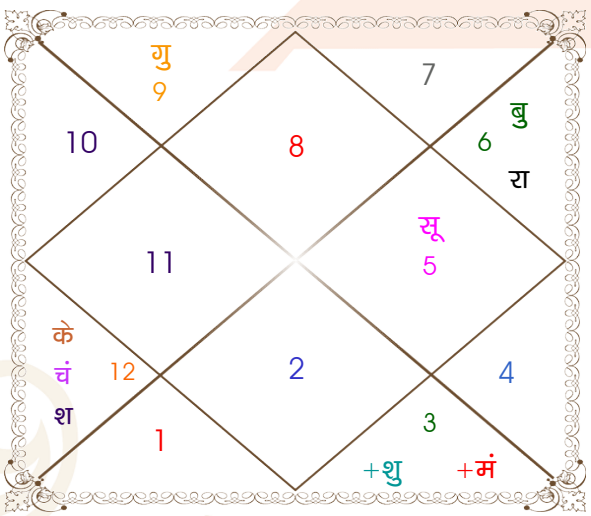

लग्न-चलित

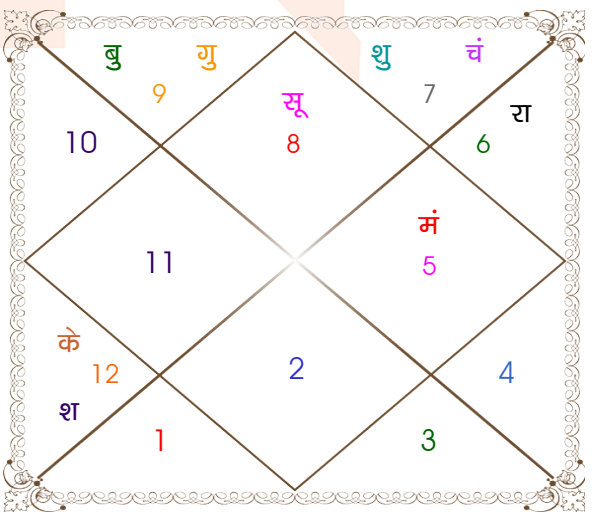

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गौ	व्याघ्र	4	0.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	शुक्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	मीन	तुला	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	4.00		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

डतण क्नतहमेी का वर्ग सर्प है तथा Ms. Vaisnavi का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण क्नतहमेी और Ms. Vaisnavi का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण क्नतहमेी मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

Ms. Vaisnavi मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Ms. Vaisnavi कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण क्नतहमेी तथा Ms. Vaisnavi में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।